Book Ad Any category of Classified and get
Special Discount
Times of india/ Hindustan times/ Denik jagran / Amar ujala/ Navbharat times Hindustan hindi
Discount Code TBC10
Contact:
Kunika Advertising
Plot no- 516. Sector-12, Friends Co-operative Society, Vasundhara, Ghaziabad
Mo. 8130640000

Year-15 **Issue-** 07
Ghaziabad, Sunday, 16 July- 2023

16 July to 22 July- 2023

Page: 8

Postal Registration No: UP/GZB- 80/2016-18

RNI.No: UPBIL/2009/28691

DAVP Code:101473

Editor: Dheeraj Kumar

Mob.: 9871895198

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Hindi/English {Bi-Lingual} Weekly Ghaziabad

www.tbcgzb.com

डीएवीपी एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

Email: editor@tbam.co.in

गाजियाबाद भार्गव समाज समिति ने गाजियाबाद में किया एबीबीएस की द्वितीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक का आयोजन

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। अखिल भारतीय भार्गव समाज (रजि.) की द्वितीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक रविवार, 9 जुलाई को कौशांबी स्थित रेडिसन ब्ल्यू होटल में आयोजित की गई। संगठन के 135 साल के इतिहास में पहली बार राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन गाजियाबाद में किया गया। गाजियाबाद भार्गव समाज समिति के सदस्यों ने देशभर से आए भार्गव समाज के गणमान्य लोगों का स्वागत किया। कार्यकारिणी की बैठक से पहले हवन का आयोजन किया गया। अतिथियों ने हवन में आहुतियां देकर समाज के कल्याण की कामना की। इसके पश्चात श्री गणेश जी की वंदना पेश की गई। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यकारिणी की बैठक का शुभारंभ किया गया। अखिल भारतीय भार्गव समाज के पूर्व अध्यक्ष श्री एसएन भार्गव, वर्तमान अध्यक्ष श्री नरेश भार्गव, प्रधान सचिव श्री एच एन भार्गव, सचिव श्री उमेश भार्गव, श्री प्रमोद भार्गव, श्री अनिल भार्गव, श्री अरुण भार्गव, श्री संजीव भार्गव ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यकारिणी बैठक का शुभारंभ किया। शुभारंभ मौके पर उपाध्यक्ष श्री अनिल गोपाल भार्गव, श्री दिनेश भार्गव, श्री सुबोध भार्गव, श्री सीएस भार्गव और श्री गिरीश भार्गव उपस्थित थे।

.....विस्तृत खबर पृष्ठ 2 पर

गाजियाबाद भार्गव समाज समिति ने गाजियाबाद में.....

पेज एक का शेष भाग....

बैठक में भार्गव समाज से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई।

साथ ही, वर्ष-2022-23 का वित्तीय लेखा जोखा पारित किया गया। समाज के उत्थान को लेकर सभी सदस्यों ने अपनी राय पेश की।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में अध्यक्ष श्री नरेश भार्गव ने कहा कि भार्गव समाज का अधिवेशन हर साल होता है, जिसमें समाज से जुड़े कई विषयों पर चर्चा की जाती है। इस साल का राष्ट्रीय अधिवेशन हरियाणा के रेवाड़ी शहर में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय अधिवेशन में देश भर से भार्गव समाज के 6000 से ज्यादा लोग शामिल होंगे।

कार्यकारिणी की बैठक में अलग-अलग शहरों से 93 सदस्यों ने भाग लिया। आयोजन समिति में श्री अमरनाथ भार्गव, श्री प्रभात मुकुल भार्गव, श्री नरेंद्र कुमार भार्गव, श्री संजय एडवोकेट, डॉ धीरज कुमार भार्गव, श्री अभिषेक भार्गव, श्री राहुल भार्गव, श्री अंचल भार्गव, श्री अतुल भार्गव, सुश्री वंदना भार्गव, श्रीमती मनीषा भार्गव और श्री प्रतीक भार्गव और श्रीमती कोमल भार्गव शामिल थे।

मानव सेवा को समर्पित रहम फाउंडेशन

आपका छोटा सा सहयोग किसी की जिंदगी बदल सकती है

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। समाज की उन्नति के लिए केंद्र और राज्य की सरकारें अपनी भूमिका निभा रही है लेकिन भौगोलिक और आबादी को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि सिर्फ सरकारी प्रयासों से समाज के विभिन्न वर्गों की उन्नति संभव नहीं हो सकती है। समाज का विकास ही देश का विकास होता है। ऐसे में इस दिशा में सामाजिक संस्थाओं की भूमिका बढ़ जाती है। समाज में शिक्षा के प्रचार प्रसार, स्वास्थ्य, कुपोषण, जागरूकता को लेकर कई संस्थाएं काम कर रही है। इनमें से एक संस्था ऐसी है, जो बिना रूके निरंतर समाज की भलाई के लिए कार्य कर रही है। यह संस्था है रोटरी हेल्थ अवॉयनेस मिशन फाउंडेशन यानि आरएचएमए, जिसे 'रहम' के नाम से भी जाना जाता है।

संस्था के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. धीरज कुमार भार्गव ने बताया कि रोटरी क्लब के उददेश्यों, जिसमें मानव सेवा को सर्वोपरि रखा गया है, की पूर्ति के लिए रहम फाउंडेशन की स्थापना की गई थी। शुरुआत में रहम फाउंडेशन के तहत समाज के दुर्बल वर्ग को स्वास्थ्य व पोषण आदि में सहयोग करने के साथ की गई थी लेकिन इसका दायरा लगातार बढ़ रहा है।

चैरिटी यानि दान, आपके कार्य की ताकत को मूल मंत्र मानकर समाज के सभी वर्गों के हित के लिए कई प्रोजेक्ट चलाए जा रहे हैं। इनमें आरएचएएम ऑक्सीजन बैंक, आरएचएएम सैनिटरी पैड बैंक, आरएचएएम एंबुलेंस सेवा और आरएचएएम शववाहन सेवा शामिल है।

अध्यक्ष डॉ. धीरज कुमार भार्गव ने बताया कि फाउंडेशन की ओर से तीज-त्यौहारों और महापुरुषों की जयंती व पुण्यतिथियों पर विशेष पौधारोपण, फल वितरण और रक्तदान जैसे आयोजन किए जाते हैं।

फाउंडेशन के सदस्यों के जीवन से जुड़े विशेष दिन जैसे जन्मदिन, सालगिरह पर भी ऐसे आयोजन किए जाते हैं। फाउंडेशन की ओर से सरकारी और निजी विद्यालयों को हर तरह से सहयोग किया जाता है। बच्चों को पठन पाठन सामग्री का वितरण किया जाता है।

फाउंडेशन के कार्यों को बिना किसी रूकावट के जारी रखने के लिए शहर के लोगों से सहयोगी की अपेक्षा रहती है। आर्थिक रूप से सहयोग को 80जी, 12ए और सीएसआर गतिविधियों के तहत आयकर से छूट मिली हुई है। आपके द्वारा किया गया छोटा सा सहयोग किसी की जिंदगी को बदल सकता है। इसी उददेश्य के साथ आइए, सहयोग कीजिए-

आरएचएएम फाउंडेशन

एचडीएफसी बैंक
सेविंग एकाउंट नं.
50100485995348
आईएफएससी कोड-
एचडीएफसी0000153

कई क्षेत्रों में कार्यरत है रहम फाउंडेशन

फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. धीरज कुमार भार्गव ने बताया कि फाउंडेशन की ओर से स्वास्थ्य, शिक्षा, जागरूकता, पर्यावरण, रक्तदान जैसे क्षेत्रों में समय-समय पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। फाउंडेशन का मानना है कि समाज की प्रगति तभी हो सकती है, जब समाज के विभिन्न घटकों को सशक्त किया जाए। इसी को आधार मानकर फाउंडेशन की ओर से महिला सशक्तिकरण, युवाओं का सम्मिलित करना, सामुदायिक स्वास्थ्य, संपूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य संबधी जागरूकता, नागरिक अधिकारों की जानकारी और समाज की भलाई और देश के विकास के लिए सामाजिक व्यवहार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं।

Editorial

Rain Havoc

North India last week turned into a watery mess as heavy rains continue to pound the region, claiming at least 15 lives. Delhi broke a previous record of maximum rainfall while other states like Himachal Pradesh, Haryana, Uttar Pradesh, Uttarakhand and Punjab have been put on a red alert. Mother Nature unleashed her fury on Sunday, leaving north India, including the capital of the country, in a watery mess. Scenes of chaos were witnessed all over the NCR, as muddy water gushing into residential and other areas, structures like temples being submerged on the banks of swollen rivers and land cave-ins. Such was the ferocity of the rain that 18 people died in rain-related incidents. According to the IMD said, "There has been a strong interplay between an active western disturbance over the Himalayas and a vigorous monsoon leading to extremely heavy rains over major parts of the region." Normal life was brought to a standstill in Ghaziabad and rest of the NCR in the wake of heavy downpours. Most of the areas witnessed water-logging leaving misery to the people. The rainfall over the weekend in the North has led to the region witnessing a 59 per cent excess, as per latest IMD data. The cumulative rainfall in the monsoon season has reached 243.2 mm, which is two per cent above the normal of 239.1 mm. Landslides, flash floods, and severe waterlogging have affected tens of thousands of people, creating a dire situation. Social media platforms have been flooded with pictures and videos showing commuters wading through inundated roads, stranded vehicles, and flooded underpasses. In UP, at least 6 people have died, and over 10,000 people have been displaced due to the floods. At least five people were killed as torrential rain continued to lash HP on Sunday, causing floods and landslides and leading to the washing away of roads and bridges.

Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

Ram Temple in Ayodhya to be completed in Jan 2024

The dream will come into reality in January 2024. The construction of Lord Shri Ram's temple in Ayodhya is nearing to complete ahead of schedule.

According to Shri Ram Janmabhoomi Teerth Kshetra Trust, the idol of Lord Ram Lalla will be consecrated in the sanctum sanctorum of the grand Ram temple in January 2024 and devotees will be able to see and offer prayers. The Ram Janmabhoomi Teerth Kshetra Trust officials also invited media to visit the temple on its opening next year.

The grand temple of Lord Ram will be a marvel of architecture with sun rays falling on the forehead of Ram Lalla. New pictures of the construction of the first floor of the Ram temple have surfaced. A rectangular 'parkota' is being built on eight acres outside the temple. The pavilion is being carved outside the sanctum sanctorum.

Anil Mishra, a member of the Ram Mandir Trust, said that devotees would be able to see and worship at the temple at an auspicious time after Makar Sankranti.

"Arrangements are being made so that the rays of the sun fall on the Lord's forehead on the first Chaitra Ram Navami. About 300 to 400 people will be able to have darshan of Lord Shri Ram simultaneously. The temple will end 500 years of waiting for people. Though most of the work has been completed on the ground floor, lighting and finishing works remain to be done," he said.

The 'mandap' will be the centre of attraction at Ram Mandir. Kameshwar Chaupal, a member of Shri Ram Janmabhoomi Teerth Kshetra Trust, said: "There are five pavilions on the ground floor and the mandap will be the centre of attraction at Ram Mandir. God's flag will always be hoisted from the main mandap. The ground floor structure is ready.

The walls and roof of the sanctum sanctorum of the temple have been built. Flooring and exterior work is yet to be done. The work of carving idols on 166 pillars on the ground floor of the temple is going on. The six pillars in the sanctum sanctorum of the temple are built of white marble and the outer pillars are made of pink sandstone.

UP govt notifies Third phase of Jewar International Airport

The government of Uttar Pradesh has recently issued a notification stating that a 'social impact assessment' (SIA) will be conducted for the acquisition of an additional 2,053 hectares of land for the third phase expansion of the upcoming Noida International Airport (NIA) in Jewar. The SIA will be carried out by Gautam Buddh University and is expected to be completed by August 30, according to Arun Vir Singh, the CEO of Noida International Airport Limited (NIAL).The land to be acquired is located in 14 villages within Jewar tehsil of Gautam Buddh Nagar, totaling 1,888 hectares. The notification confirms that the acquisition is in accordance with the Right to Fair Compensation and Transparency in Land Acquisition, Rehabilitation and The third phase expansion will involve the development of three additional runways, in addition to the three runways planned for the first and second phases.

The airport is being developed in four phases by Yamuna International Airport Private Limited (YIAPAL), a subsidiary of Zurich Airport International AG. The first phase of construction is currently underway and is expected to be completed for commercial operations by September 2024. The expansion of the airport is anticipated to bring about various benefits, including the development of industrial infrastructure, increased employment opportunities, and a boost to manufacturing and exports. It is expected to facilitate air traffic and drive growth in tourism. Upon completion in the mid-2040s, the Noida International Airport is projected to become the largest airport in India, covering an area of around 5,000 hectares. It will feature multiple runways, two terminal buildings, and an annual passenger capacity of 1.2 crore. The airport will also house cargo and MRO (maintenance, repair, and overhaul) facilities.

Once operational, the Noida International Airport will serve as the third commercial airport in the National Capital Region, alongside Delhi's Indira Gandhi International Airport (IGIA) and Ghaziabad's Hindon air base.

कांवड़ यात्रा के लिए की गई व्यवस्था से संतुष्ट दिखे प्रभारी मंत्री असीम अरुण

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री असीम अरुण ने गुरुवार को पवित्र श्रावण मास में चल रही कांवड़ यात्रा में शासन प्रशासन द्वारा की गयी तैयारियों को जायजा लिया। वे सबसे पहले मेरठ रोड तिराहे पर बनाए गए कावंड इंटीग्रेटेड कन्ट्रोल रूम पहुंचे, जहां महापौर सुनीता दयाल, पुलिस कमिश्नर अजय मिश्रा, जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह, नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ ने उनका स्वागत किया। वहां पहुंचने के बाद असीम अरुण ने इंटीग्रेटेड कन्ट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से कावंड यात्रियों की सुविधाओं एवं सुरक्षाओं का जायजा लिया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए हर संभव प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। किसी भी प्रकार की कोई कोताही एवं लापरवाही ना बरती जाये। उन्होंने मेयर सुनीता दयाल, पुलिस कमिश्नर अजय मिश्रा, जिलाधिकारी राकेश सिंह से कावंड यात्रा से सम्बन्धित छोटी सी छोटी जानकारियां लीं। प्रभारी मंत्री ने कन्ट्रोल रूम से मेरठ तिराहे तक पैदल यात्रा की और कांवड़ियों से सुविधाओं को लेकर बातचीत की।

कांवड़ियों ने हर प्रकार की सुविधा होने की बात कही।

इसके बाद प्रभारी मंत्री ने मेरठ तिराहे पर बने मंच पर से कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा की। उनके साथ मेयर और जिले के आला अधिकारी थे। उन्होंने भी शिवभक्त कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा की। इसके बाद प्रभारी मंत्री ने दूधेश्वरनाथ मठ पर जाकर भोलेनाथ के दर्शन कर पूजा अर्चना की। उन्होंने भगवान दूधेश्वर महादेव लिंग पर जलाभिषेक किया। प्रभारी मंत्री ने मंदिर के श्रीमंहत नारायण गिरि से मुलाकात कर कांवड़ मेला के बारे में जानकारी प्राप्त की। श्रीमहंत ने प्रभारी मंत्री और साथ आये सभी अधिकारियों को भी पटका एवं माला पहनाकर स्वागत किया। असीम अरुण ने मन्दिर के आस-पास स्वच्छता का निरीक्षण किया। वहां उपस्थित सफाई कर्मियों को पटका पहनाकर सम्मानित किया। प्रभारी मंत्री के दौरे पर महापौर सुनीता दयाल, पुलिस कमिश्नर अजय मिश्रा, जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह, नगर आयुक्त नितिन गौड़, मुख्य विकास अधिकारी विक्रमादित्य सिंह मलिक, अपर पुलिस आयुक्त दिनेश कुमार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

यमुना के पानी से लोनी में भारी तबाही, अलीपुर का बांध टूटा

जिलाधिकारी ने मौके पर जाकर लिया जायजा

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। यमुना नदी में आई बाढ़ के पानी से नोएडा और गाजियाबाद के गांवों में भी भारी नुकसान हुआ है। यमुना का पानी नोएडा और गाजियाबाद के लोनी इलाके के कई गांवों में घुस गया है। पानी के तेज बहाव से लोनी के अलीपुर का बांध पूरी तरह टूट चुका है। अलीपुर बांध के टूटने से यमुना का पानी पचायरा और आवास विकास जलमग्न हो गया है। पचायरा से आगे नूरपुर के पास पुस्ते में कटाव हो गया है, सरकार और लोगों की मुस्तैदी से उसे रोक दिया गया। अलीपुर बांध मे तीन जगह दरार आने के बाद गुरुवार दोपहर बाद बागपत सीमा में टूट गया। बांध टूटने से यमुना का पानी सुभानपुर होते लोनी के अलीपुर से पचायरा और आवास विकास की तरफ बढ़ चुका है। उधर बांध टूटने के बाद जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने मौके पर जाकर हालात का जायजा लिया। उन्होंने बाढ़ के पानी को आगे बढ़ने से रोकने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए। एनडीआरएफ की एक टीम बचाव और राहत कार्यों में लगी हुई हैं। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बागपत के डीएम से भी इस संबंध में बातचीत की है। बाढ़ का पानी लोनी इलाके में घुसने से आवास विकास की कॉलोनी ट्रॉनिका सिटी, पूजा कॉलोनी, दौलत नगर, इलाइचीपुर, खानपुर, हरमपुर, राम पार्क एक्सटेंशन, खुशहाल पार्क, अंसल स्टैंड कॉलोनी के अलावा लोनी की सैकड़ों कालोनियों में बाढ़ का खतरा बना रहा। उधर, गुरुवार सुबह हरमपुर के सामने पुस्ते पर दरार देखी गई। प्रशासन ने ग्रामीणों की मदद से यमुना की तरफ से हो रहे कटाव को रोककर दुरुस्त कराया। वही डूंगरपुर के पास भी उससे पर दरार और कटाव की सूचना पर गाजियाबाद प्रशासन ने दुरुस्त किया।

कैसे शुरू हुई कांवड़ यात्रा

क्या कहती है पौराणिक मान्यताएं ?

श्रावण मास की शुरूआत होते ही भगवान भोलेनाथ के भक्त बड़ी संख्या में कांवड़ यात्रा लेकर सड़कों पर आपको दिखाई दिए होंगे। सावन का पूरा महीना महादेव को समर्पित होता है, ये वह महीना है जिसमें भगवान शिव के ऊपर बहुत अधिक भार होता है। फिर भी इस दौरान भोलेनाथ को प्रसन्न करना बहुत आसान होता है। उत्तर भारत में पिछले कुछ समय में इसकी लोकप्रियता समाज के उच्च और शिक्षित वर्ग में बढ़ी है। कांवड़ यात्रा को देखकर आपके मन में ये सवाल जरूर आता होगा कि इसकी शुरूआत सबसे पहले किसने की।

पहले कांवड़िए थे भगवान परशुराम

धार्मिक ग्रंथ के जानकारों का मानना है कि कावड़ यात्रा की शुरूआत सबसे पहले भगवान परशुराम ने की थी। उन्होंने कांवड़ से गंगाजल लाकर उत्तर प्रदेश के बागपत के पास बना पुरा महादेव का अभिषेक किया था। भगवान परशुराम गढ़मुक्तेश्वर से कांवड़ में गंगाजल लेकर आए थे और फिर इस प्राचीन शिवलिंग का अभिषेक किया था। ये परंपरा आज भी चली आ रही है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु गढ़मुक्तेश्वर जो अब ब्रजघाट के नाम से जाना जाता है से गंगाजल लाकर पुरा महादेव का जलाभिषेक करते हैं।

पहले कांवड़िए थे श्रवण कुमार

धार्मिक ग्रंथों के कुछ विद्वानों का मत है कि सबसे पहले त्रेतायुग में श्रवण कुमार ने कांवड़ यात्रा की थी।

जब श्रवण कुमार अपने नेत्रहीन माता-पिता को तीर्थ यात्रा करा रहे थे, तब उनके माता-पिता ने मायापुरी यानी हरिद्वार में गंगा स्नान करने की इच्छा जाहिर की थी। उनकी इच्छा पूर्ति के लिए श्रवण कुमार ने अपने माता पिता को कांवड़ में बैठा कर हरिद्वार में गंगा स्नान कराया और वापस जाते समय गंगाजल लेकर गए यहीं से कांवड़ यात्रा की शुरूआत मानी जाती है।

भगवान राम थे पहले कांवड़िए

कुछ प्रचलित धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सबसे पहले कांवड़ यात्रा की शुरूआत भगवान राम ने की थी। मयार्दा पुरुषोत्तम ने बिहार राज्य के सुल्तानगंज से अपने कांवड़ में गंगाजल भरकर बाबा धाम के शिवलिंग का जलाभिषेक किया था। यहीं से कांवड़ यात्रा की शुरूआत मानी जाती है।

सबसे पहले देवताओं ने किया था जलाभिषेक

अन्य प्रचलित धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जब समुद्र मंथन से हलाहल विष निकला था तो उसका पान भगवान शिव ने किया था। जिसकी वजह से उनका कंठ नीला पड़ गया था। इस दौरान सभी देवताओं ने भगवान शिव पर कई पवित्र नदियों का जल अर्पित किया था। साथ ही सभी ने गंगाजल भी चढ़ाया था। यहीं से श्रावण मास में कांवड़ यात्रा की शुरूआत मानी जाती है।

कॉमर्स स्ट्रीम में हैं करियर के लिए बहुत ऑप्शंस

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा पास करने के बाद बहुत से स्टूडेंट्स को इंजीनियरिंग में मौका नहीं मिलता है तो वे कॉमर्स ले लेते हैं। माता-पिता को चिंता सताती है कि क्या कॉमर्स लेकर नौकरी मिल सकती है। हम आपकों बताते हैं कि कॉमर्स स्ट्रीम लेने वालों के लिए करियर के कई शानदार ऑप्शंस उपलब्ध हैं। खुद को सिर्फ बीकॉम, सीए या सीएस जैसे ऑप्शंस तक सीमित रखने की जरूरत नहीं है। आप चाहें तो इस स्ट्रीम में भी अच्छी तरह से एक्सप्लोर कर सकते हैं। आज-कल लॉ में भी ऐसे कई सेक्टर्स हैं, जिनमें आप आसानी से करियर बना सकते हैं। आइए जानते है कॉमर्स स्ट्रीम से पढ़ाई करने वालों के लिए रोजगार के कुछ खास मौके।

कक्षा 10वीं से ही छात्र अपने करियर को लेकर काफी तनाव लेने लग जाते हैं। कई बार उनके पास ऑप्शंस की भरमार होने की वजह से वे कंफ्यूज हो जाते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा हो रहा है और आप कॉमर्स स्ट्रीम लेने के बाद उसी क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं तो आपको ग्रेजुएशन के लिए उभरते करियर ऑप्शंस के बारे में जरूर पता होना चाहिए।

लॉ के ये कोर्स आएंगे काम

12वीं के बाद लॉ की पढ़ाई की जा सकती है। कॉमर्स स्ट्रीम के छात्र फाइनेंस लॉ की पढ़ाई कर सकते हैं। इन दिनों मार्केट में फाइनेंस लॉ के प्रोफेशनल की डिमांड बढ़ती जा रही है। यह कोर्स करने के बाद बैंकिंग लॉ, कंज्यूमर प्रोटेक्शन लॉ, इंडस्ट्रियल लॉ, कंपनी लॉ आदि की पढ़ाई करके अपनी इनकम बढ़ा सकते हैं।

सर्टिफाइड फाइनेंशियल प्लानर कोर्स कॉमर्स के स्टूडेंट्स के लिए बेहतर है। इस कोर्स में पर्सनल फाइनेंस, वेल्थ मैनेजमेंट, म्यूचुअल फंड आदि की जानकारी दी जाती है। यह कोर्स करके इनमें से किसी भी क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

यह हादसा नहीं 'हत्या' है

जरा गौर कीजिए। दिल्ली के एक चैनेल में आयोजित महासम्मेलन के दौरान एक शख्स ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से सवाल पूछा कि आखिर टोल टैक्स में बढ़ोत्तरी क्यों की जा रही है। इस पर नितिन गडकरी ने जवाब दिया था कि आपको देश में अच्छी और सुरक्षित सड़क चाहिए तो टोल तो देना ही पड़ेगा। जब उनसे दोबारा सवाल किया गया कि टोल के पैसे से क्या होता है तो उनका जवाब था कि टोल के पैसे का नेशनल एक्सप्रेस में सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों का पालन कराने में खर्च किया जाता है। पैट्रोलिंग वाहन होते हैं। सीसीटीवी कैमरे लगाने होते हैं। जिन पर खर्च आता है।

अब इसका एक दूसरा पहलू देखिए। सोमवार को सुबह छह -सवा छह बजे नोएडा के एक स्कूल की बस आठ किमी तक रॉन्ग साइड पर जा रही थी लेकिन किसी ने न तो बस को देखा और ना ही उसे रोकने की कोई कोशिश की। नतीजा, सामने से आर रही तेज रफ्तार की एक एसयूवी से बस टकरा गई और एसयूवी में सवार आठ में से छह लोगों की मौके पर मौत हो गई।

अब सवाल यह है कि क्या टोल और अन्य तमाम पैसे देने के बाद भी लोगों को यूं ही अपनी जान गंवानी पड़ेगी? क्या टोल का पैसा लेने के बाद भी सुरक्षा का कोई उपाय नहीं किया जाएगा? क्या सोमवार सुबह दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे पर पेट्रोलिंग वाहन नहीं थे? क्या रॉन्ग साइड पर आठ किमी तक चलने वाली बस सीसीटीवी कैमरों में नहीं आई? क्या सीसीटीवी कैमरों के जरिए मॉनिटरिंग करने वालों की नजर इस कातिल बस पर नहीं पड़ी? ये सवाल बेहद गंभीर है और इसके जवाब तलाशने होंगे। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर गाजियाबाद में मंगलवार को रॉन्ग साइड में चल रही स्कूल बस ने कार को टक्कर मार दी। आमने-सामने की टक्कर में कार के परखच्चे उड़ गए। 6 लोगों ने मौके पर दम तोड़ दिया। 2 की हालत गंभीर है। एक्सप्रेसवे और हाइवे तक पर रॉन्ग साइड

में कातिल बनकर गाड़ियां दौड़ रही हैं। सड़क हादसों में आम लोग मरते रहें, सिस्टम को कोई फर्क नहीं पड़ता। अत्याधुनिक तकनीकों का ढिंढोरा पीटा जाता रहा है, रोड सेफ्टी के बड़े-बड़े दावे होते रहते हैं लेकिन सड़कें कब्रगाह सी बन चुकी हैं। आंकड़ें गवाह हैं कि नेशनल हाइवे पर होने वाली कुल मौतों के लिए रॉन्ग साइड ड्राइविंग दूसरा सबसे बड़ा कारण है। ट्रैफिक पुलिस क्या कर रही है? लोग सड़क पर चलने के लिए रोड टैक्स चुकाते हैं। कई राज्यों में रोड सेफ्टी सेस भी चुकाते हैं। कई बार 100 किलोमीटर के सफर में दो-दो बार टोल। लेकिन रोड सेफ्टी कहां हैं? आप टोल चुकाते रहिए और सिस्टम की लापरवाही से सड़कों पर यूं ही मौत आपका इंतजार करती रहेगी। ये हादसा नहीं, 'हत्या' है।

क्या है पूरी घटना

मेरठ का एक परिवार कार से खाटू श्याम के दर्शन के लिए राजस्थान जा रहा था। महिंद्रा टीयूवी में 4 बड़े और 4 बच्चे सवार थे। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर विजयनगर फ्लाइओवर के ऊपर रॉन्ग साइड से आ रही स्कूल बस से कार की टक्कर हो गई। 6 लोगों ने मौके पर दम तोड़ दिया। बाकी दो लोगों की हालत भी नाजुक है। एक नामी प्राइवेट स्कूल की बस रॉन्ग साइड में 8 किलोमीटर तक दौड़ती रही, लेकिन ट्रैफिक पुलिस कहीं सीन में नहीं थी। एक्सप्रेसवे और हाइवे पर लगे अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरे लगे होते हैं। फिर अलर्ट क्यों नहीं किया गया? क्या इन कैमरों का मकसद सिर्फ ये है कि नियमों का उल्लंघन करने वाली गाड़ियों का महज चालान काटा जा सके? सड़क पर चल रहे लोगों की सुरक्षा क्या रामभरोसे रहेगी? रॉन्ग साइड चलती बस को लेकर ट्रैफिक पुलिस को अलर्ट क्यों नहीं किया गया? गनीमत है कि स्कूल बस में बच्चे नहीं थे। अगर बच्चे भी होते तो?

डीएमई पर हर साल 100 करोड़ की होती है टोल वसूली

14 लेन वाले दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर हर साल करीब 100 करोड़ रुपये की टोल वसूली होती है। दिल्ली के सराय काले खां से मेरठ के काशी टोल तक करीब 60 किलोमीटर के इस एक्सप्रेसवे पर दो साल पहले 140 रुपये का टोल लगता था। पिछले साल उसे बढ़ाकर 155 किया गया। अब 160 रुपये चुकाने पड़ते हैं। यानी हर किलोमीटर पर 2.66 रुपये टोल। फिर भी रोड सेफ्टी का कहीं अता-पता नहीं।

रॉन्ग साइड ड्राइविंग मौतों की दूसरी मुख्य वजह

सड़क परिवहन मंत्रालय की ओर से 2020 में जारी 'रोड एक्सीडेंट इन इंडिया 2019' रिपोर्ट के मुताबिक देशभर में 2019 में रॉन्ग साइड ड्राइविंग की वजह से हुए हादसों में 9200 लोगों की मौत हुई थी। सिर्फ नैशनल हाईवे पर 2726 मौतें रॉन्ग साइड ड्राइविंग की वजह से हुईं। ये एनएच पर होने वाली मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। 2020 में सड़क हादसों में हुई कुल मौतों में 6 प्रतिशत में वजह गलत दिशा में गाड़ी चलाना रही। इसी तरह 2018 में रॉन्ग साइड ड्राइविंग की वजह से 8,764 लोगों की मौत हुई थी।

गाजियाबाद में रॉन्ग साइड ड्राइविंग में बेतहाशा इजाफा

गाजियाबाद में तो रॉन्ग साइड ड्राइविंग काफी आम होती जा रही है। 2022 में शहर में गलत दिशा में गाड़ी चलाने को लेकर जितने चालान हुए थे, उसके आधे से ज्यादा तो इस साल के शुरूआती दो महीनों में ही हो चुके थे। 2022 के पूरे साल में गाजियाबाद में रॉन्ग साइड ड्राइविंग के लिए 37,002 चालान कटे थे। इस साल जनवरी और फरवरी में ही ट्रैफिक पुलिस ने गलत दिशा में गाड़ी चलाने के 18135 चालान काटे। लेकिन क्या चालान काट देने भर से जिम्मेदारी पूरी हो गई?

पहले भी हुए हादसे

गाजियाबाद में रॉन्ग साइड ड्राइविंग की वजह से लगातार हादसे होते रहे हैं, लेकिन उनसे कोई सबक नहीं लिया जाता। इसी साल 2 फरवरी को 17 साल का एक लड़का ईस्टर्न पेरिफिरेल एक्सप्रेसवे पर रॉन्ग साइड में बाइक चला रहा था। ट्रक से टक्कर होने से उसकी मौत हो गई और पीछे बैठा उसका सहपाठी जख्मी हो गया।

29 जनवरी को राजनगर एक्सटेंशन पर रॉन्ग साइड ड्राइविंग की वजह से हुए हादसे में एक 24 साल की लड़की की मौत हो गई। हादसे में उसकी बड़ी बहन घायल हुई। उसकी स्कूटी को ब्रीजा कार ने टक्कर मारी थी।

पिछले साल 4 नवंबर को दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर ही ट्रक और ऐंबुलेंस की टक्कर में 2 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे के लिए भी रॉन्ग साइड ड्राइविंग जिम्मेदार थी।

पिछले साल 29 जुलाई को डीएमई पर ऐसे ही एक हादसे में 3 महिलाओं की मौत हुई थी।

सिर्फ गाजियाबाद नहीं, देश के हर शहर की कहानी भी ऐसी ही है। इसी साल जनवरी में गुरुग्राम में गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड पर रॉन्ग साइड में चल रही पुलिस की गाड़ी ने एक कार में टक्कर मार दी। हादसे में 6 महीने के नवजात की मौत हो गई जबकि 4 अन्य घायल हुए। जिन पर नियमों के पालन की जिम्मेदारी है, वो खुद नियम तोड़ रहे।

नोएडा में भी भारी तबाही, 10 गांव और चार सेक्टरों में घुसा बाढ़ का पानी

टीबीसी न्यूज

नोएडा। यमुना नदी में आई बाढ़ ने गौतमबुद्धनगर में भी भारी तबाही मचाई है। गुरुवार को नोएडा और ग्रेटर नोएडा में डूब क्षेत्र से सटे 10 से अधिक गांव और चार सेक्टरों में बाढ़ का पानी घुसने से अफरातफरी का माहौल हो गया। बाढ़ में सैकड़ों लोग और जानवर पानी में फंस गए। प्रशासन ने एनडीआरएफ की चार और एसडीआरएफ की दो और पीएसी की एक टीम के साथ फंसे लोगों केा बाहर निकाला। शाम तक 150 से अधिक लोग और 700 से अधिक जानवरों को रेस्क्यू किया गया।

चार सेक्टरों में पानी घुसा

पिछले चार दिन से यमुना नदी उफन पर चल रही थी, लेकिन बृहस्पतिवार की सुबह यमुना का जल स्तर खतरनाक स्तर को पार

कर गया और नोएडा व ग्रेटर नोएडा के गांव व सेक्टरों में पानी घुस गया। नोएडा के सेक्टर 134, 135, 136 व 167 ए के साथ-साथ तिलवाड़ा, मंगरौली खादर, बसंतपुर, कामबक्शपुर, नंगला नंगली, मंगरौली बांगर, मोतीपुर समेत करीब 10 गांवों में पानी घुस गया है। जानकारी होने पर जिला प्रशासन, पुलिस और प्राधिकरण के अफसर मौके पर पहुंच गए और तत्काल बचाव कार्य शुरू किया। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार ने बताया कि बाढ़ से 1700 से अधिक लोग प्रभावित हैं। टीम अभी भी बाढ़ प्रभावित इलाकों में काम कर रही है। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार की दोपहर एक बजे से जल स्तर में वृद्धि रूकी है, लेकिन अभी और बढ़ने की आशंका है। प्रभावित गांवों के ग्रामीणों से अपील की है कि वो सतर्क रहे और सुरक्षित स्थानों पर चले जाए।

बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए सेक्टर 134, 135 और 136 में चार आश्रय स्थल बनाए गए हैं। जहां लोगों को ठहराया गया है। बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री, खानपान, पीने योग्य पानी, साफ सफाई, लाइट और स्वास्थ्य संबंधी सभी सेवाएं दी जा रही हैं। खाने और पीने के साथ-साथ साफ सफाई की व्यवस्था की जिम्मेदारी संबंधित प्राधिकरण को दी गई है।

मेडिकल टीमों को किया गया तैनात

प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में आठ मेडिकल टीमों को तैनात किया है। मेडिकल टीमों के पास सांप काटने की दवा भी होगी। साथ ही हैजा व अन्य संक्रमण वाली बीमारियों की दवा भी उपलब्ध रहेगी।

रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर, गाजियाबाद सैफ्रोन और रहम फाउंडेशन ने आम लोगों को बांटे फल

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर ने रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सैफरोन, रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली ईस्ट एंड और रहम फाउंडेशन की ओर से शनिवार को महाशिवरात्रि के मौके पर शिवभक्त कांवड़ियों के साथ आम लोगों के बीच फल का वितरण किया। राह चलते लोगों को भी फल दिए गए।

मुख्य अतिथि डीजीएन रोटेरियन डॉ. अमिता अनिल मोहिंद्रू और गेस्ट ऑफ ऑनर पीपी रोटेरियन रवि बाली, एजी नरेश ढींगरा और एजी संदीप मिगलानी ने सैंकड़ों की संख्या में शिवभक्त कांवड़ियों और आम लोगों को फल बांटे। वसुंधरा के सेक्टर-12 स्थित फ्रेंड्स को-ऑपरेटिव सोसाइटी के गेट के सामने आयोजित भंडारे का आयोजित रहम फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. धीरज कुमार भार्गव की माता जी इंद्रा भार्गव की 14वीं पुण्य तिथि पर किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि डीजीएन रोटेरियन डॉ. अमिता अनिल मोहिंद्रू ने कहा कि श्रावण मास को हिन्दू धर्म में काफी पवित्र माना जाता है। इस माह में शिवभक्त के साथ आम लोगों की सेवा करने से पुण्य लाभ होता है। रहम फाउंडेशन के अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. धीरज कुमार भार्गव ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके

पर रहम फाउंडेशन के सचिव दयानंद शर्मा, कोषाध्यक्ष मनीषा भार्गव, रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर के सचिव अपूर्व राज, प्रतीक भार्गव, समीर आनंद, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सैफ्रोन की अध्यक्ष कोमल भार्गव आदि उपस्थित थे।

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargava at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. **Editor:** Dheeraj Kumar, **Resident Editor:** Manisha Bhargava** **Email:** editor@tbam.co.in
RNI. No: UPBIL/2009/28691, **Postal Registration No.** UP/GBD80/2016-18, **Advertisement :** Ph. No.: 0120-2850800, 2850297, **Fax :** 0120-4561000
Add: Plot No- 516, Sector- 12, Friends Co-operative Society, Vasundhra, Ghaziabad (U.P.)**
Responsible for selection of News under the PRB Act. Repro- duction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.